सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

प्रेरणा

"तूफ़ान से डरने वाले रास्ते नहीं बदलते, हिम्मत वाले इतिहास लिखते हैं।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	23°	7°
शनिवार	22 °	8°
रविवार	21°	7°
सोमवार	20°	6°
मंगलवार	21°	7°
बुधवार	22°	8°
वीरवार	21°	7°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 12 DECEMBER TO 18 DECEMBER 2025 • VOLUME 21 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?

What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

मोदी-ट्रंप के बीच फोन पर वार्ता व्यापार, ऊर्जा व सुरक्षा पर चर्चा

दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा की

वाशिंगटन. भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर जारी बातचीत के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा की। पीएम मोदी और ट्रंप ने व्यापार, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा, रक्षा और सुरक्षा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। दोनों नेता साझा चुनौतियों का समाधान करने और साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए।

डोनाल्ड ट्रंप और पीएम मोदी के बीच बातचीत ऐसे समय में हुई है जब दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में ट्रेड डील फाइनल करने पर चर्चा कर रहे हैं। ट्रंप के हालिया बयानों को देखें तो वो ये कह चुके हैं कि जल्द ही अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील फाइनल हो जाएगी। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर

ने कहा है कि भारत ने अमेरिकी पक्ष को अब तक के सबसे बेहतर प्रस्ताव दिए हैं। वॉशिंगटन डीसी में सीनेट की एक उपसमिति की बैठक में उन्होंने बताया कि अमेरिकी व्यापार दल इस समय भारत में मौजूद है और कृषि क्षेत्र से जुड़ी बाधाओं पर चर्चा कर रहा है। भारत अपना कृषि और डेयरी सेक्टर अमेरिका के लिए नहीं खोलना चाहता। भारत में करोड़ों लोगों की आजीविका दूध उत्पादन से चलती है। जैमीसन ग्रीर ने भारत की सराहना करते हुए कहा कि बातचीत के दौरान भारत का रुख काफी आगे बढ़कर रहा है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि अगर अमेरिका व्यापार समझौते से संबंधित भारतीय पेशकश से खुश है तो उसे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर कर देने चाहिए। उन्होंने भारत की तरफ से रखी गई पेशकश पर ट्रंप प्रशासन के विचारों का स्वागत किया, लेकिन दोनों देशों के बीच लंबे समय से इंतजार किए जा रहे एफटीए पर हस्ताक्षर की कोई समयसीमा बताने से परहेज किया। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीयर के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पीयूष गोयल ने कहा, 'उनकी खुशी का बहुत स्वागत है और मेरा मानना है कि अगर वे बहुत खुश हैं तो उन्हें बिना किसी देरी के इस पर हस्ताक्षर कर देना चाहिए।' उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते पर अमेरिका के साथ बातचीत के पांच दौर पूरे हो चुके हैं।

युवराज सिंह व हरमनप्रीत कौर का बड़ा सम्मान

मोहाली. विश्व कप विजेता क्रिकेटर युवराज सिंह और हरमनप्रीत कौर के सम्मान में गुरुवार को न्यू चंडीगढ़ स्टेडियम के दो स्टैंड उनके नाम पर किए गए। वनडे विश्व कप 2011 के 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' रहे युवराज और भारत को हाल में पहला महिला विश्व कप दिलाने वाली कप्तान हरमनप्रीत इस मौके पर अपने परिवार, दोस्तों के साथ थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी इस मौके पर मौजूद थे। युवराज को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले भारतीय टीम के खिलाड़ियों का जोश बढ़ाते हुए भी देखा गया। स्टेडियम में युवराज के पूर्व साथी हरभजन सिंह के नाम पर पहले से एक पवेलियन है और अब गुरुवार को साइटस्क्रीन के दूसरी तरफ हरमनप्रीत के नाम का स्टैंड भी शामिल हो गया।

मुख्यमंत्री द्वारा निर्माणाधीन सड़कों का औचक निरीक्षण

ठेकेदार के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी तथा भुगतान रोकने के आदेश

पटियाला और फतेहगढ़ साहिब जिलों में 3 निर्माणाधीन सड़कों का किया निरीक्षण

• **जालंधर ब्रीज.** पटियाला/फतेहगढ़ साहिब

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरुवार को पटियाला जिले में रीतखेड़ी लिंक रोड के निर्माण में अनियमितताएं पाए जाने पर ठेकेदार के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा उसकी सभी अदायगियां तुरंत रोकने के आदेश दिए। जिक्रयोग्य है कि मुख्यमंत्री ने आज तीन निर्माणाधीन सड़कों की जांच की, जिनमें से दो सड़कों का निर्माण कार्य सही पाया गया, जबकि एक सड़क के निर्माण में खामी पाई गई

निर्माणाधीन सड़क का औचक निरीक्षण करने पहुंचे मुख्यमंत्री ने सड़क के नमूने लेने के बाद निर्धारित मानकों का पालन न करने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस जारी करने और उसका भुगतान फौरन रोकने के निर्देश दिए। भगवंत सिंह मान ने पटियाला जिले में ही निर्माणाधीन पटियाला-सरहिंद सड़क का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को सड़क के नमूनों की लैबोरेटरी जांच करवाने को कहा।

इसके अलावा उन्होंने फतेहगढ़ साहिब जिले में रुड़की से रिउंणा पलैन रोड की भी जांच की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन निर्माणाधीन सड़कों की जांच का उद्देश्य पूरे प्रदेश में बन रही सड़कों की गुणवत्ता की जांच करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बहुत बड़ी राशि खर्च कर रही है, इसलिए यह मुहिम प्रदेश में उच्च गुणवत्ता वाली सड़कें बनाने को सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि वे आने वाले दिनों में भी यह औचक जांच जारी रखेंगे क्योंकि वे यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं कि जनता के पैसे का सही उपयोग हो।

दिल्ली कोर्ट ने खारिज की लूथरा ब्रदर्स अग्रिम जमानत याचिका

नाइट क्लब में आग लगने के बाद भाग गए थे थाईलैंड

नई दिल्ली. दिल्ली की एक अदालत ने गोवा के नाइट क्लब में लगी आग के मामले में लूथरा बंधुओं की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। इस आग में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई थी। रोहिणी कोर्ट की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वंदना ने जमानत याचिका खारिज की। 6 दिसंबर की रात नाइट क्लब में आग लगने के बाद लूथरा बंधुओं ने थाईलैंड भाग गए थे। आरोपियों ने थाईलैंड से दिल्ली लौटने के तुरंत बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए चार सप्ताह की अग्रिम जमानत मांगी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वंदना ने लूथरा बंधुओं की ओर से पेश हुए वकीलों की दलीलें सुनने के बाद फैसला शाम 5 बजे तक के लिए सुरक्षित रख लिया। आवेदकों के एक वकील ने दलील दी कि वे तुरंत वापस

लौटने और जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं और अदालत से आग्रह किया कि उन्हें शुरुआत में ही दंडित न किया जाए। उन्होंने कहा कि बंधुओं ने जल्द से जल्द दिल्ली की अदालत से संपर्क किया था और बिना देरी किए जांच में सहयोग करने का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा अगर मैं आज रात भारत पहुंचता हूं और जांच अधिकारी (आईओ) मुझे आधी रात को पेश होने के लिए कहता है तो मैं वहां मौजूद रहूंगा। वकील ने कहा कि ट्रांजिट बेल योग्यता के आधार पर निर्णय नहीं है, बल्कि सही अदालत तक सुरक्षित पहुँच सुनिश्चित करने के लिए एक सीमित सुरक्षा है।

इंडिगो ने की मुआवजा देने की घोषणा

नई दिल्ली. इंडिगो ने गुरुवार को अपने नवीनतम बयान में कहा कि 3 से 5 दिसंबर के बीच हवाई अड्डों पर कर्मचारियों की कमी के कारण हुई व्यवधान से 'बुरी तरह प्रभावित' यात्रियों को 10,000 रुपये का मुआवजा मिलेगा। यह बयान कई दिनों तक चले इस संकट के बाद आया है, जिससे लाखों यात्री प्रभावित हुए थे। इंडिगो ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि गंभीर रूप से प्रभावित किसे माना जाएगा या मुआवज़ा पाने के लिए प्रभावित ग्राहकों की पहचान कैसे की जाएगी। यात्रा वाउचर के बारे में इंडिगो का बयान कई दिनों में सैकड़ों उड़ानें रद्द करने के बाद जांच के दायरे में आई है। एयरलाइन ने कहा है कि उसने रद्द उड़ानों के लिए आवश्यक रिफंड की प्रक्रिया पहले ही पूरी कर ली है। इंडिगो ने कहा कि हम ग्राहकों को 10,000 रुपये के यात्रा वाउचर प्रदान करेंगे जिसका उपयोग अगले 12 महीनों के भीतर किसी भी इंडिगो यात्रा के लिए किया जा सकता है।

धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि

• केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रसिद्ध अभिनेता धर्मेंद्र की स्मृति में दिल्ली में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उनका स्मरण कर उनकी स्मृतियों को नमन किया। एक्स पर उन्होंने लिखा- धर्मेंद्र जी ने अपनी अभिनय कला से देशवासियों के दिलों में स्थान बनाया और उनकी अदाकारी भाषा व क्षेत्र की सीमाओं को पार कर जन-जन के मन में बस गई। भारतीय सिनेमा जगत को इस अद्वितीय अभिनेता की कमी हमेशा खलती रहेगी।

पंजाब में चुनाव वाले दिन 'ड्राई डे' घोषित

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). राज चुनाव आयोग, पंजाब द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, आबकारी आयुक्त पंजाब जतिंदर जोरवाल (आई.ए.एस.) ने पंजाब की जिला परिषदों और पंचायत समितियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले गाँवों में 14.12.2025 को रात 00:00 बजे से लेकर 15.12.2025 को सुबह 10:00 बजे तक चुनाव दिवस को "ड्राई डे" घोषित किया है। यह आदेश पूरे पंजाब राज्य में सख्ती से लागू रहेंगे।

यूपी सहित छह राज्यों में बढ़ी एसआईआर की समयसीमा, जारी हुआ नया शेड्यूल

नई दिल्ली. भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को कहा कि वह उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश सहित छह राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तारीखों में संशोधन कर रहा है। चुनाव आयोग की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, तमिलनाडु, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और अंडमान और निकोबार में मतदाता सूची की एसआईआर अनुसूची में संशोधन किया गया है। संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) द्वारा प्रस्तुत अनुरोधों के बाद चुनाव निकाय ने एसआईआर के लिए एक संशोधित कार्यक्रम जारी किया। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, तमिलनाडु और गुजरात को अब अपनी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) रिपोर्ट 19 दिसंबर, 2025 (शुक्रवार) तक जमा करनी होगी, जो पहले 14 दिसंबर, 2025 (रविवार) थी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिए भी समय सीमा बढ़ा दी गई है, और नई जमा करने की तिथि 23 दिसंबर, 2025 (मंगलवार) निर्धारित की गई है, जो पहले की 18 दिसंबर, 2025 (गुरुवार) की समय सीमा का स्थान लेगी। उत्तर प्रदेश को अब अपनी एसआईआर रिपोर्ट 31 दिसंबर, 2025 (बुधवार) तक जमा करनी होगी, जो पहले 26 दिसंबर, 2025 (शुक्रवार) थी।

भारत निर्वाचन आयोग 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के एसआईआर का दूसरा चरण चला रहा है। पहला चरण बिहार में विधानसभा चुनावों से पहले सितंबर में पूरा हो गया था। यह प्रक्रिया अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल को कवर करती है। इनमें से तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव होने हैं। असम में भी 2026 में चुनाव होने हैं, जहां मतदाता सूची के संशोधन की घोषणा अलग से की गई है। इसे 'विशेष संशोधन' कहा जा रहा है। अधिकांश राज्यों में मतदाता सूची का अंतिम एसआईआर 2002 और 2004 के बीच हुआ था और उन्होंने अपने-अपने राज्यों में हुए अंतिम एसआईआर के अनुसार वर्तमान मतदाताओं का मानचित्रण लगभग पूरा कर लिया है। एसआईआर का मुख्य उद्देश्य जन्मस्थान की जांच करके विदेशी अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना है। बांग्लादेश और म्यांमार सहित विभिन्न राज्यों में अवैध प्रवासियों पर की जा रही कार्रवाई के मद्देनजर यह कदम महत्वपूर्ण हो जाता है।

सामाजिक सुरक्षा की ओर कदम : श्रम संहिताएं और डिजिटल ढांचा

जालंधर ब्रीज. सामाजिक सुरक्षा प्रणालियाँ गरीबी कम करने, मजबूती बढ़ाने और न्यायसंगत विकास को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रत्येक निवासी को, उसकी आय, रोजगार की स्थिति या जनसांख्यिकीय विशेषता की परवाह किए बिना, पेंशन, स्वास्थ्य देखभाल, बेरोजगारी भत्ता या दिव्यांगता सहायता जैसे न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा लाभों तक पहुँच प्रदान करता है। भारत अब सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली बनाने की दिशा में पहले से कहीं अधिक नजदीक है-एक ऐसी प्रणाली जिसे अधिकांश राष्ट्र, यहाँ तक कि सबसे विकसित देश भी, दशकों तक निरंतर निवेश और प्रयास करने के बाद ही स्थापित कर पाए। श्रम संहिताओं, विशेष रूप से सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के माध्यम से, देश के पास हर कामगार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानूनी ढांचा मौजूद है –चाहे वह गिग ड्राइवर हो, फैक्ट्री कर्मचारी हो या निर्माण कार्य करने वाला प्रवासी मजदूर हो । सामाजिक सुरक्षा संहिता नौ प्रमुख कानूनों को एकल एकीकृत ढांचे में समेकित करती है। इससे प्रशासनिक जटिलता कम करने, लाभों को हस्तांतरित करने की योग्यता बेहतर बनाने, नियोक्ताओं के लिए अनुपालन सरल बनाने और निगरानी व प्रवर्तन मजबूत बनाने में मदद मिलती है। इसकी बदौलत विशेषकर असंगठित क्षेत्र के छोटे उद्यमों के कामगार – जहाँ भारत के 90% कामगार काम करते हैं—नौकरशाही की अड़चनों में उलझे बगैर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

यह संहिता सरकार को भी यह अधिकार देती है कि वह सभी क्षेत्रों में उद्यमों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), मातृत्व लाभ और ग्रेच्युटी का कवरेज बढ़ा सके, ताकि अब तक असुरक्षित रहे कामगारों को लाभ मिल सके और छोटे उद्यमों में स्वैच्छिक पंजीकरण को प्रोत्साहित किया जा सके। इसके अलावा, यह राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कोष / राज्य सामाजिक सुरक्षा कोष की व्यवस्था प्रदान करती है, जहाँ सरकार का वित्तीय योगदान, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का योगदान, नियोक्ता और कर्मचारियों का योगदान एकत्रित किया जा सकता है, जो सामाजिक सुरक्षा कवरेज को सहायता प्रदान कर सकता है। लेकिन केवल कानून बनाना भर ही पर्याप्त नहीं है। जो बात वास्तव में भारत को उसके वैश्विक समकक्षों से अलग कर सकती है, वह है उसका उभरता डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तंत्र—ई-श्रम डेटाबेस और आधार प्रमाणीकरण से लेकर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्लेटफ़ॉर्म तक। ये सभी उपकरण मिलकर भारत को पारंपरिक कल्याण मॉडल से आगे बढ़ने और एक पोर्टेबल, पारदर्शी, तकनीक-सक्षम कल्याण प्रणाली बनाने का अनूठा अवसर प्रदान करते हैं, जो दुनिया की किसी भी प्रणाली से अलग है। आधार: सार्वभौमिकरण की रीढ़ सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश सार्वभौमिकता सुनिश्चित करने के लिए हर निवासी को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं जो सीधे लाभों से जुड़ी होती है। भारत के पास आधार - के रूप में यह सुविधा पहले से मौजूद है—जो अत्यंत विश्वसनीय और निशुल्क प्रमाणीकरण प्रदान करता है। आधार सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा की सबसे बड़े बाधा: अर्थात्, विभिन्न राज्यों, क्षेत्रों और नियोक्ताओं में लाभार्थियों की पहचान और प्रमाणीकरण को हल करता है। प्रवासी कामगारों के लिए, आधार-सक्षम पोर्टेबिलिटी वह कर सकती है, जो पिछली पीढ़ी के कल्याणकारी सुधार हासिल नहीं कर पाए : स्थान की परवाह किए बगैर लाभों तक निर्बाध पहुँच सुनिश्चित करना। यह प्रणाली नॉर्वे और डेनमार्क जैसे देशों में डिजिटल आईडी आधारित प्रणालियों की तरह है, जहाँ नागरिक अपनी कल्याण पहचान को अलग-अलग क्षेत्रों और सेवाओं में निर्बाध रूप से अपने साथ रख सकते हैं।

जी. मधुमिता दास
(लेखक श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार)

जहाँ एक ओर दुनिया भर में संगठित क्षेत्र के कामगार सामान्यत: सामाजिक सुरक्षा कवरेज के अंतर्गत आते हैं, वहीं नियोक्ता-कामगार के बीच स्थिर रोजगार संबंध नहीं होने के कारण असंगठित क्षेत्र के कामगारों को कवर करना कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है। कई देश एकीकृत श्रम कानूनों पर भरोसा करते हैं, लेकिन बहुत कम देशों के पास भारत के ई-श्रम डेटाबेस जैसा विशाल राष्ट्रीय श्रमिक रजिस्टर मौजूद है। सामाजिक सुरक्षा संहिता में एकीकृत पंजीकरण तंत्र का प्रावधान ई-श्रम के साथ पूरी तरह मेल खाता है, जो पहले से ही 310 मिलियन से अधिक असंगठित क्षेत्र के कामगारों के जनसांख्यिकीय, कौशल और व्यवसाय संबंधी डेटा को संग्रहित करता है। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से प्रत्येक कामगार की विशिष्ट रूप से पहचान की जाती है और उन्हें एक ई-श्रम यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) प्रदान किया जाता है। केंद्रीय और राज्य सरकारों के पास जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य कवरेज, मातृत्व लाभ, वृद्धावस्था सुरक्षा आदि से जुड़ी कई सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ हैं। इन योजनाओं में ई-श्रम पंजीकृत कामगारों को शामिल करके तथा यूपीआई और डीबीटी का उपयोग करके, सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा को बड़े पैमाने पर, उपयोगकर्ता-अनुकूल, पारदर्शी और कुशल तरीके से हासिल किया जा सकता है। भारत दुनिया से आगे निकल सकता है: इतिहास में पहली बार, भारत के पास सभी महत्वपूर्ण साधन: कानूनी ढांचा (श्रम संहिताएँ), एक राष्ट्रीय श्रमिक रजिस्टर (ई-श्रम), एक सार्वभौमिक पहचान प्रणाली (आधार), एक रियल-टाइम भुगतान प्रणाली (यूपीआई) और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली (डीबीटी) मौजूद हैं । यह संयोजन वैश्विक स्तर पर दुर्लभ है। सामाजिक सुरक्षा संहिता केवल एक कानून नहीं है; यह 21वीं सदी में किसी राष्ट्र द्वारा अपने कामगारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के तरीके को पुनः परिभाषित करने का अवसर है। भारत को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए।

मध्य प्रदेश की इन बेहद खूबसूरत जगहों पर मनाएं नए साल का जश्न

Travelling मध्य प्रदेश में एक से बढ़कर एक सुंदर जगहें हैं, जहां आप घूमने का प्लान बना सकते हैं। इन जगहों पर नए साल का जश्न भी बेहद यादगार बन सकता है। चलिए इनके बारे में बताते हैं।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

मध्य प्रदेश जिसे भारत का हृदय कहा जाता है, देश के सबसे विविधतापूर्ण पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां इतिहास, प्रकृति, संस्कृति और रोमांच- सभी का अद्भुत संगम मिलता है। इस राज्य की विशाल धरोहरों में यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स, विश्वप्रसिद्ध टाइगर रिजर्व, प्राचीन मंदिर, झीलें और खूबसूरत पहाड़ियां शामिल हैं जो इसे यात्रियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाती हैं। मध्य प्रदेश जाएं तो इन जगहों पर जरूर घूमकर आएं।

खजुराहो : सबसे पहले बात करते हैं खजुराहो की, जो अपनी अनोखी शिल्पकला वाले मंदिरों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यहां की सुंदर नक्काशी और वास्तुकला भारतीय सांस्कृतिक इतिहास का अनमोल उदाहरण है।

भोपाल : इसके बाद भोपाल आता है, जिसे झीलों का शहर कहा जाता है। यहां बड़ा तालाब, भीमबेटका गुफाएं और भारत भवन जैसे स्थल इतिहास और आधुनिकता का संतुलन दिखाते हैं।

पचमढ़ी : प्रकृति प्रेमियों के लिए पचमढ़ी एक स्वर्ग जैसा हिल स्टेशन है। यह घने जंगलों, झरनों और शांत घाटियों के कारण मध्य भारत का सबसे सुंदर हिल स्टेशन माना जाता है।

इंदौर : स्वच्छता के लिए लगातार चर्चित इंदौर को मध्य भारत का खाद्य स्वर्ग कहा जाता है। यहां सराफा नाइट स्ट्रीट, राजवाड़ा, लालबाग पैलेस, 56 दुकान, आदि का आनंद ले सकते हैं।

टाइगर रिजर्व : रोमांच पसंद यात्रियों के लिए कान्हा और बांधवगढ़ के टाइगर रिजर्व प्रमुख आकर्षण हैं जहां सफारी का अनोखा अनुभव और बाघों को देखने का मौका मिलता है।

महाकालेश्वर-ओंकारेश्वर : धार्मिक यात्रा के इच्छुक लोगों के लिए उज्जैन एक महत्वपूर्ण स्थान है, जहां महाकालेश्वर मंदिर दुनिया भर के भक्तों को आकर्षित करता है। इसके साथ ही ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के भी दर्शन करके आ सकते हैं।

ओरछा : ओरछा शांत सुंदरता, नदी किनारे स्थित प्राचीन महलों और मंदिरों के लिए जाना जाता है।

सांची स्तूप : यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट, सांची स्तूप इतिहास और बौद्ध कला प्रेमियों के लिए किसी खजाने से कम नहीं है।

खजुराहो : मध्य प्रदेश का खूबसूरत शहर है खजुराहो, जो दुनियाभर में मशहूर है। यहां पर बने मंदिरों की नक्काशी को आप घंटों तक निहार सकते हैं। ये इतने सुंदर बने हुए हैं कि देखते रह जाएंगे। खजुराहो की खूबसूरती के बीच भी आप नया साल मना सकते हैं। यहां के मंदिरों के दर्शन कर नए साल की शुरुआत करें।

कैसे जाएं : मध्य प्रदेश की इन जगहों पर जाने के लिए बस, ट्रेन का साधन मिल जाएगा। इन जगहों पर होटल भी कम बजट में मिल जाते हैं और खाना भी। अगर आप नया साल यहां मनाने का प्लान कर रहे हैं, तो अभी से होटल बुकिंग कर लें। मध्य प्रदेश में आपको प्राकृतिक सुंदरता देखने को मिलेगी।

LIFESTYLE

सर्दी में हरा रहेगा तुलसी का पौधा, माली ने बताया- बस 1 चम्मच भूरा पाउडर...

तुलसी का पौधा हर भारतीय घर में पूजनीय माना जाता है और इसकी पत्तियों का काढ़ा या चाय भी बनती है। लेकिन सर्दियों में अगर सही देखभाल न की जाए, तुलसी सूख जाती है। चलिए बताते हैं इसे हरा रखने का तरीका।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

सर्दियों का मौसम पेड़-पौधों के लिए खास अच्छा नहीं होता। अगर पौधों की सही देखभाल न की जाए, तो ये मुरझा जाते हैं या फिर पत्तियां सूख जाती हैं। सर्दी में तुलसी के पौधे की पत्तियां भी पीली पड़ जाती हैं। कई बार पूरा पौधा ही सूख जाता है। भारत में तुलसी के पौधे को पूजा भी जाता है, ऐसे में तुलसी का सूखना शुभ नहीं माना जाता है। साथ ही इसकी पत्तियां औषधिय गुणों से भरपूर होती है। आज गार्डनिंग टिप्स में हम आपको बताएंगे तुलसी का पौधा हरा-भरा कैसे रख सकते हैं।

क्या करें

तुलसी का पौधा सर्दी में आपको धूप में रखना होगा। सर्दी का पौधा बिना धूप के भी मुरझा जाता है और पानी के भी। लेकिन तुलसी में पानी बहुत ज्यादा न डालें। इसके अलावा तुलसी के पौधे को ठंडी हवा व ओस से भी बचाकर रखें। ज्यादा ठंडापन तुलसी का पाधौ बर्दाश्त नहीं कर पाता है और जब तुलसी में मंजरी ज्यादा हो जाए, तो उसे झाड़कर हटा दें। मंजरी ज्यादा होने पर भी तुलसी की पत्तियां पीली होने लगती है।

कौन सा पाउडर

1 मग पानी में 1 चम्मच कॉफी पाउडर और आधा चम्मच नमक मिला दें।

दोनों चीजों को मिलाकर आपका फर्टिलाइजर लिक्विड बनकर तैयार हो जाएगा। अब तुलसी के पौधे की मिट्टी को चाकू या चम्मच से थोड़ी सी खोद लें। फिर इस पानी को तुलसी के पौधे में डालें। इससे मिट्टी को अच्छी नमी मिलेगी और पौधे को पोषण।

कैसे लगाएं

अगर आप तुलसी का पौधा अपने आंगन में लगाना चाहते हैं, तो इसे आसानी से लगा सकते हैं। मीडियम साइज का गमला लें। इसमें मिट्टी में गोबर मिलाकर भर दें। बाजार या किसी तुलसी के पोधे से उसकी जड़ वाला हिस्सा काट लें। काटे हुए हिस्से को मिट्टी में 5 इंच गड्ढा करके लगाकर दबा दें। पानी हल्का दें। कुछ ही दिनों में तुलसी का पौधा बढ़ने लगेगा।

डिस्क्लेमर : इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

बिहार का स्पेशल आलू दम कभी आपने ट्राई किया है? चावल के साथ खूब टेस्टी लगती है ये डिश!

दम आलू की सब्जी आपने भी कई बार खाई होगी लेकिन ये बिहारी स्टाइल आलू दम जरा हटकर है। इसकी मसालेदार ग्रेवी रोटी-पराठे से ले कर चावल के साथ भी बड़ी टेस्टी लगती है।

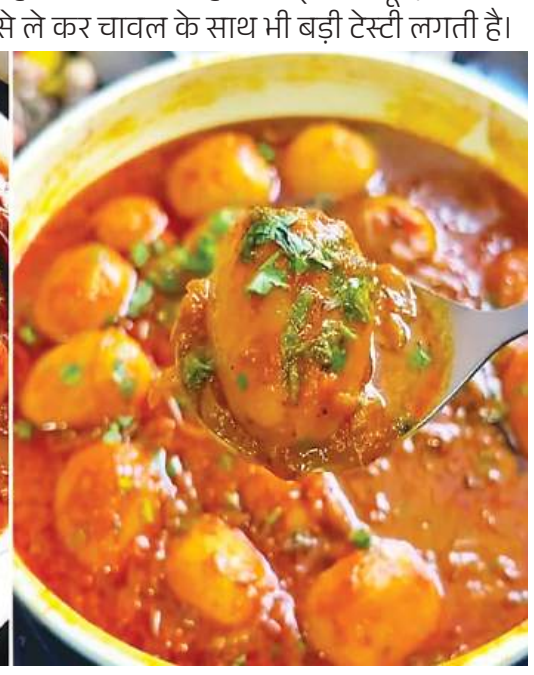

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

कभी ऑथेंटिक बिहारी खाना खाया होगा, तो एक बात की गारंटी है कि उसका स्वाद आपके दिल में अपनी अलग ही छाप छोड़ जाएगा। आपने कई बिहारी डिशेज जैसे फेमस लिट्टी-चोखा, दाल-भात खाई होंगी लेकिन क्या कभी बिहार का स्पेशल आलू दम ट्राई किया है? अभी तक नहीं किया तो यकीन मानिए आप बहुत कुछ मिस कर रहे हैं। दम आलू की सब्जी आपने भी कई बार खाई होगी लेकिन ये बिहारी स्टाइल आलू दम जरा हटकर है। इसकी मसालेदार ग्रेवी रोटी-पराठे से ले कर चावल के साथ भी बड़ी टेस्टी लगती है। तो चलिए आज एकदम ऑथेंटिक बिहारी आलू दम की रेसिपी जानते हैं, जो एक बार आपको जरूर ट्राई करनी चाहिए।

आलू दम बनाने के लिए सामग्री

आलू दम बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं - छोटे आलू (आधा किलो), नमक, हल्दी पाउडर, सरसों का तेल, जीरा (आधा चम्मच), 2 लौंग, 2 हरी इलायची, 1 बड़ी इलायची, दालचीनी का टुकड़ा, मेथी दाना, 2 सूखी लाल मिर्च, 2 तेज पत्ता, 3-7 कटी हुई प्याज, आधा इंच अदरक का टुकड़ा, आधा चम्मच काली मिर्च का पाउडर, 2 कटे हुए टमाटर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च, गरम मसाला (आधा चम्मच), हरा धनिया पत्ता।

ऐसे बनाएं बिहारी स्टाइल आलू दम

सबसे पहले छोटे आलू उबालकर छील लें और इनमें कांटे वाली चम्मच की मदद से थोड़े छेद कर लें। अब सरसों का तेल गर्म करें, उसमें चुटकी भर नमक, हल्दी मिलाएं और ये आलू गोल्डन होने तक फ्राई कर लें। इसके बाद एक पैन में दोबारा सरसों का तेल गर्म करें, उसमें जीरा, लौंग, दालचीनी का टुकड़ा, हरी और बड़ी (काली) इलायची, मेथी दाना, सूखी हुई लाल मिर्च और तेज पत्ता डालें। फिर कटी हुई प्याज डालकर गोल्डन होने तक फ्राई कर लें।

एक मिक्सर ग्राइंडर में काली मिर्च, लहसुन की कलियां, अदरक और जीरा डालकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को भुनी हुई प्याज में एड करें। ऊपर से बेसिक मसाले जैसे हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, नमक, धनिया पाउडर और गरम मसाला मिलाकर भून लें। अब कटे हुए टमाटर एड करें और तेल छोड़ने तक पका लें। इसके बाद फ्राई किए हुए आलू डालकर मसाले के साथ मिक्स करें। थोड़ा पानी एड करें और ढककर सब्जी को 10 मिनट के लिए कुक होने दें। फ्रेश हरा धनिया एड करें और गरमा-गरम आलू दम एंजॉय करें।

बच्चा बोर्ड एग्जाम देने वाला है, तो एक बार जरूर बता दें ये 7 बातें, पेरेंटिंग कोच ने दी सलाह!

PARENTING

जालंधर ब्रीज (फीचर) . बोर्ड एग्जाम नजदीक आ रहे हैं। ऐसे में जो बच्चे इस बार एग्जाम में बैठने वाले हैं, उन पर पढ़ाई और अच्छे नंबर को लेकर दवाब बढ़ना स्वाभाविक है। कई बार यह प्रेशर इतना ज्यादा हो जाता है कि बच्चा अपने ही आत्मविश्वास पर भी शक करने लगता है। पेरेंटिंग कोच कहती हैं कि ऐसे समय में पेरेंट्स की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि उनके सही मोटिवेशन और मार्गदर्शन से ना सिर्फ बच्चे का स्ट्रेस लेवल कम होता है, बल्कि उसका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। पेरेंटिंग कोच बताती हैं कि सफलता का सबसे सरल रास्ता है नियमित अभ्यास और लक्ष्य पर फोकस। बच्चे को यह समझाना जरूरी है कि रोज थोड़ा-थोड़ा पढ़ने से याद भी अच्छा रहता है और दिमाग पर दबाव भी नहीं पड़ता। जब बच्चा सही दिशा में लगातार मेहनत करता है, तो उसका आत्मविश्वास भी मजबूत होता है और वह परीक्षा का सामना बिना घबराहट के कर पाता है।

कोच का कहना है कि सफल होने के लिए देर तक पढ़ना जरूरी नहीं है। बल्कि जरूरी यह है कि बच्चा जिस समय पढ़े, पूरे मन से पढ़े। कम समय में भी ध्यान लगाकर पढ़ा जाए तो चीजें जल्दी समझ में आती हैं, और और जो कुछ भी पढ़ा जाता है, वह लंबे समय तक दिमाग में याद भी रहता है। कम समय में ध्यान लगाकर पढ़ने से बच्चे को थकान भी कम होती है और पढ़ाई का प्रेशर भी कम होता है।

हर मोड़ पर बच्चे का आत्मविश्वास बना रहना सबसे ज़रूरी है। परीक्षा नजदीक आते ही कई बच्चे घबरा जाते हैं और अपनी तैयारी पर शक करने लगते हैं। ऐसे में पेरेंट्स का भरोसा और उनके पॉजिटिव वर्ड्स, बच्चों का आत्मविश्वास बनाए रखने में मदद करते हैं। और जब बच्चों में भरपूर आत्मविश्वास होता है तो वो परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

पेरेंटिंग कोच का कहना है कि अच्छी सेहत के बिना कोई भी बच्चा अपना बेस्ट नहीं दे सकता। परीक्षा के दिनों में नींद पूरी होना, पौष्टिक खाना, हल्का व्यायाम और थोड़ा आराम बहुत जरूरी है। जब शरीर और मन दोनों ठीक हों, तब बच्चा तेजी से समझ पाता है और पढ़ी हुई चीजें अच्छी तरह याद रहती हैं।

डिस्क्लेमर : इस लेख में दी गई सूचना पूरी तरह सोशल मीडिया रील पर आधारित है। जालंधर ब्रीज इसकी सत्यता और सटीकता की जिम्मेदारी नहीं लेता है।

ब्लड प्रेशर बढ़ने के पीछे कहीं आपका तकिया तो नहीं, जानें दोनों के बीच रिश्ता

Health ज्यादातर लोग हाई बीपी की समस्या को दवा, नमक का अधिक सेवन, सुस्त लाइफस्टाइल और स्ट्रेस से जोड़कर देखते हैं। लेकिन डॉक्टरों की मानें तो नमक और तनाव ही नहीं बल्कि व्यक्ति के तकिये की ऊंचाई तक ...

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

आपकी रोजमर्रा की कुछ आदतें आपकी सेहत पर सीधा असर डालती हैं, यह बात तो ज्यादातर लोगों को पता होती है। लेकिन कई बार व्यक्ति जिस आदत को मामूली समझकर नजरअंदाज कर रहा होता है, वो भविष्य में उसके लिए किसी बड़ी समस्या का कारण भी बन सकती है। दरअसल, किसी भी बीपी रोगी का सुबह का ब्लड प्रेशर (BP) उसके दिल की सेहत और शरीर की जरूरतों को पूरा करने की क्षमता का एक महत्वपूर्ण संकेत होता है। ज्यादातर लोग हाई बीपी की समस्या को दवा, नमक का अधिक सेवन, सुस्त लाइफस्टाइल और स्ट्रेस से जोड़कर देखते हैं। लेकिन डॉक्टरों की मानें तो नमक और तनाव ही नहीं बल्कि व्यक्ति के तकिये की ऊंचाई तक उसके हृदय स्वास्थ्य को गुपचुप तरीके से प्रभावित कर सकती है।

डॉक्टरों की मानें तो सिर को हल्का ऊपर उठाकर सोने से हृदय पर कम दबाव पड़ता है, खासकर एसिड रिफ्लक्स (GERD) और कुछ हृदय संबंधी समस्याओं में यह सहायक हो सकता है। ऐसा करने से रात में रक्त संचार बेहतर और रक्तचाप स्थिर बना रहता है। हालांकि यह उच्च रक्तचाप का इलाज नहीं, बल्कि एक सहायक उपाय है।

बेहतर नींद, बेहतर रक्तचाप : नींद की गुणवत्ता रक्तचाप को प्रभावित करती है। खराब नींद (जैसे स्लीप एप्निया) से ऑक्सीजन का स्तर घट-बढ़ सकता है, तनाव हार्मोन बढ़ते हैं, और हृदय प्रणाली पर दबाव पड़ता है, जिससे उच्च रक्तचाप (High BP) और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि नींद के दौरान ही शरीर रक्तचाप कम करके हृदय को आराम देता है। सिर और गर्दन को ऊपर उठाने से वायुमार्ग अधिक खुला रहता है, खर्राटे कम आते हैं और सांस लेना आसान हो जाता है। बता दें, कई हाई बीपी रोगी खर्राटे या हल्की सांस लेने की समस्या जैसी नींद संबंधी शिकायतें भी कर सकते हैं। ऐसे में कई बार एक ऊंचा तकिया वायु प्रवाह को बेहतर बनाकर खर्राटों और स्लीप एपनिया जैसी समस्याओं को कम कर सकता है, जिससे वायुमार्ग खुला रहता है, रात में शरीर का तनाव घटता है और अप्रत्यक्ष रूप से रक्तचाप नियंत्रण में मदद मिलती है।

तकिये की ऊंचाई और एसिड रिफ्लक्स के बीच संबंध : तकिये की ऊंचाई और एसिड रिफ्लक्स के बीच सीधा संबंध होता है। सिर और ऊपरी शरीर को पेट से ऊपर उठाने के लिए पर्याप्त ऊंचा तकिया (लगभग 6-8 इंच) इस्तेमाल करने से गुरुत्वाकर्षण पेट के एसिड को ग्रासनली (esophagus) में वापस आने से रोकने में मदद करता है, जिससे लक्षणों में कमी आती है। बहुत कम ऊंचाई वाले तकिया या बिना तकिये के सोने से एसिड आसानी से ऊपर आ सकता है, जिससे बेचैनी और नींद में खलल पड़ता है। हर रुकावट न केवल आराम को प्रभावित करती है, बल्कि सुबह के रक्तचाप के स्तर को भी प्रभावित कर सकती है। ऐसे में सही ऊंचाई वाला तकिया इस समस्या को कम कर सकता है।

दिल की सेहत के लिए अच्छी नींद जरूरी : अगर एसिड रिफ्लक्स या सांस लेने की समस्या किसी को बार-बार जगा रही है, तो इससे सुबह के समय रक्तचाप बढ़ सकता है। सिर को ऊपर उठाना इन तकलीफों को कम करने का एक आसान तरीका हो सकता है। सिर को हृदय से थोड़ा ऊपर रखने से रक्त केंद्र में जमा नहीं होता, जिससे हृदय प्रणाली पर दबाव कम होता है। इसके विपरीत, पूरी तरह से सीधा लेटने से उन लोगों में हृदय संबंधी तनाव बढ़ सकता है जो पहले से ही उच्च रक्तचाप से जूझ रहे हैं।

रक्तचाप को कंट्रोल रखने के लिए ये टिप्स भी मददगार : डॉक्टरों का कहना है कि केवल तकिये की ऊंचाई उच्च रक्तचाप को नियंत्रित नहीं कर सकती है। इसे नियमित दवाओं, दैनिक व्यायाम, भोजन में कम नमक, तनाव प्रबंधन और अच्छी नींद की आदतों के साथ अपनाना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि रोजमर्रा के जीवन में किए गए छोटे-छोटे बदलाव मिलकर काम करते हुए समय के साथ वास्तविक बदलाव ला सकते हैं।

उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोगों के लिए, अपनी नींद के तरीके में बदलाव करना एक आसान और कम खर्चीला उपाय है। हालांकि यह चिकित्सा उपचार का विकल्प नहीं है, लेकिन सही ऊंचाई वाला तकिया गर्दन और रीढ़ की हड्डी को सही अलाइनमेंट में रखकर, मांसपेशियों के तनाव को कम करके और रक्त संचार को बेहतर बनाकर आपको स्थिर, आरामदायक और गहरी नींद लेने में मदद करता है, जिससे आप स्थिर रीडिंग के साथ तरोताजा और ऊर्जावान महसूस करते हुए जागते हैं और दिन की अच्छी शुरुआत होती है।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

हरियाणा के गवर्नर प्रो. अशीम कुमार घोष भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) 2025 के समापन समारोह में हुए शामिल

• रिसर्च और इनोवेशन में भारत की वैज्ञानिक शक्ति को IISF 2025 ने जोरदार तरीके से उजागर किया : राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष • IISF 2025 में 2 लाख से अधिक दर्शकों की ऐतिहासिक भागीदारी • IISF 2025 में दिखी भारत की बढ़ती साइंटिफिक लीडरशिप : गवर्नर अशीम कुमार घोष • गवर्नर ने युवा से विकसित भारत के लिए इनोवेट करने की अपील की • चितकारा यूनिवर्सिटी ने नागरिक-रिपोर्टिंग ऐप "जनसमाधान" के साथ S&T हैकाथॉन में किया टॉप

• जालंधर ब्रीज . चंडीगढ़

भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) 2025 के समापन समारोह में हरियाणा के राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष, फर्स्ट लेडी मित्रा घोष के साथ मुख्य अतिथि के रूप में पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम में डी. सेंथिल पांडियन, IAS, संयुक्त सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES); डॉ. सूर्यचंद्र ए. राव, निदेशक, IITM; डॉ. शिव कुमार शर्मा, नेशनल ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी, VIBHA; तथा अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे।

गवर्नर आशिम कुमार घोष ने कहा कि IISF 2025 ने रिसर्च और इनोवेशन में भारत की साइंटिफिक ताकत और बढ़ती लीडरशिप को ज़ोरदार तरीके से दिखाया है। उन्होंने कहा कि यह फेस्टिवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साइंस और टेक्नोलॉजी से चलने वाले विकसित भारत बनाने के विज़न को दिखाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा के साइंस और टेक्नोलॉजी हब के तौर पर तेज़ी से बढ़ने पर ज़ोर दिया, जिसमें हरियाणा साइंस और इनोवेशन मिशन, यूनिवर्सिटी इनक्यूबेशन हब, एग्री-टेक और क्लाइमेट-टेक प्रोग्राम, और स्कूलों में रोबोटिक्स, ड्रोन, और कोडिंग लैब जैसी पहल शामिल हैं। उन्होंने युवाओं से इनोवेशन करते रहने की अपील की और IISF 2025 को ऐतिहासिक सफलता बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

IISF 2025 में रिकॉर्ड तोड़ सहभागिता :-

IISF 2025 में 2 लाख से अधिक दर्शकों ने शिरकत की। हैकाथॉन सहित प्रमुख कार्यक्रमों में 1,800 छात्रों, 167 अध्यापकों और 32 विशेषज्ञों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। गुरुकुल, S&T विलेज, नारी शक्ति, YSC और थॉट लीडर्स राउंडटेबल जैसे कार्यक्रम भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। न्यू एज टेक्नोलॉजी, ब्लू इकॉनमी, बदलती जलवायु में हिमालय, और स्वच्छ व परमाणु ऊर्जा जैसे विशेष स्टॉल्स पर भी भारी उत्साह देखने को मिला। सिर्फ कर्टेन-रेज़र कार्यक्रम में ही 1,600 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसने सभी पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए।

विभिन्न श्रेणियों में अवॉर्ड वितरित किए गए, निम्नलिखित :-

- जूरी स्पेशल मेंशन अवॉर्ड: अरुणाचल प्रदेश स्टेट S&T काउंसिल, तमिलनाडु स्टेट काउंसिल फॉर S&T, एमिटी यूनिवर्सिटी, MP काउंसिल फॉर S&T, और राजीव गांधी S&T कमीशन।
- क्रिएटिव एक्सीलेंस इन डिस्प्ले: जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, चंडीगढ़।
- आउटस्टैंडिंग विज़ुअल इम्पैक्ट: गुजरात काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी।
- आउटस्टैंडिंग विज़िटर एक्सपीरियंस: ECIL और विक्रम साराभाई स्पेस एग्ज़िबिशन।
- बेस्ट एजुकेशनल पैवेलियन: नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस म्यूज़ियम्स, इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर, और ICMR।
- मोस्ट एंगेजिंग पैवेलियन: DRDO।
- बेस्ट थीमैटिक पैवेलियन: डिपार्टमेंट बायोटेक्नोलॉजी का।
- सबसे इनोवेटिव पवेलियन: CSIR।
- पवेलियन डिज़ाइन में बेहतरीन: डिपार्टमेंट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी।
- बेस्ट ओवरऑल पवेलियन : मिनिस्ट्री ऑफ़ अर्थ साइंसेज।
- S&T हैकाथॉन - आइडियाज़ फॉर विकसित भारत में, चितकारा यूनिवर्सिटी ने अपने प्रोजेक्ट "जनसमाधान " के लिए पहला प्राइज़ जीता, जो एक सिविक-रिपोर्टिंग एप्लीकेशन है। टॉप तीन पोजीशन के लिए ₹50,000, ₹40,000, और ₹30,000 के प्राइज़ दिए गए, जिसमें दस कंसोलेशन विनर्स को हर एक को ₹20,000 दिए गए।
- समारोह की शुरुआत डी. सेंथिल पांडियन, IAS के स्वागत भाषण से हुई और IITM के वैज्ञानिक डॉ. अनूप महाजन के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ खत्म हुई, जिससे IISF 2025 का शानदार समापन हुआ।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में कहा - भारत में मोटापा एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती

• जालंधर ब्रीज . नई दिल्ली

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) में "मोटापे पर चिकित्सक-वैज्ञानिक संवाद" विषय पर पैनल चर्चा में कहा, "मोटापा भारत में एक जन स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरा है और यह केवल सौंदर्य संबंधी समस्या नहीं है। इस चुनौती का समाधान वैज्ञानिक सटीकता एवं नीतिगत अनुशासन के साथ करने की आवश्यकता है।"

इस सत्र का आयोजन नैदानिक चिकित्सा, जैव चिकित्सा अनुसंधान और लोक नीति के प्रमुख विशेषज्ञों की उपस्थिति में किया गया। इस सत्र में भारत में बढ़ते चयापचय चुनौतियों पर एक बहु-विषयक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया। मंत्री ने आईआईएसएफ में खचाखच भरे दर्शकों को संबोधित करते हुए इस बात पर बल दिया कि कैसे सामाजिक व्यवहार, बाज़ार और गलत सूचनाओं ने भारत में मोटापे के परिदृश्य को जटिल बना दिया है।

मंच पर भारत के वैज्ञानिक एवं चिकित्सा समुदाय के प्रमुख विशेषज्ञ उपस्थित थे, जिनमें एनएबीआई के कार्यकारी निदेशक डॉ. अश्वनी पारीक; डॉ. विनोद कुमार पॉल और डॉ. वी.के. सारस्वत, सदस्य नीति आयोग; प्रो. उल्लास कोल्थुर, सीडीएफडी के निदेशक; टीएचएसटीआई के कार्यकारी निदेशक डॉ. गणेशन कार्तिकेयन; और वरिष्ठ एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डॉ. संजय भदादा और डॉ. सचिन मित्तल शामिल थे।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय समाज में मोटापे को एक बीमारी के बजाय एक सौंदर्य संबंधी समस्या के रूप में देखा जाता है जिसके कारण इस पर वैज्ञानिक चर्चा में देरी हुई है। उन्होंने कहा, "दशकों से, हमारे चिकित्सा सम्मेलनों में मधुमेह एवं चयापचय संबंधी विकारों पर चर्चा होती रही है लेकिन मोटापे पर कभी नहीं हुई। पिछले 15 वर्षों में हमने इसे एक गंभीर चिकित्सा प्रासंगिकता वाला विषय के रूप में देखना शुरू किया है।"

मंत्री ने भारत की अनोखी शारीरिक विशेषताओं को उजागर किया। उन्होंने विशेष रूप से पूर्वी आबादी में केंद्रीय या आंतरिक मोटापे की उच्च व्यापकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीयों के लिए, कमर की माप वजन से ज्यादा महत्वपूर्ण कहानी बताती है और इस बात पर बल दिया कि यद्यपि समग्र शरीर का वजन सामान्य प्रतीत होता है, फिर भी आंतरिक वसा एक स्वतंत्र जोखिम कारक है। जीएलपी-आधारित दवाओं का व्यापक और फैशनेबल उपयोग पर बात करते हुए, मंत्री ने विवेकपूर्ण उपयोग के साथ सावधानी बरतने का आग्रह किया और इस बात पर बल दिया कि कभी-कभी दीर्घकालिक प्रभाव कई वर्षों बाद स्पष्ट होते हैं। उन्होंने पिछले सार्वजनिक-स्वास्थ्य गलत निर्णयों को याद किया जैसे कि 1970 और 80 के दशक में रिफाइंड तेलों में अनियमित बदलाव, जिसने बाद में प्रतिकूल परिणाम सामने आए। उन्होंने कहा कि सही नैदानिक निष्कर्ष दशकों से परिणामों का अवलोकन करने से प्राप्त हो सकता है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने तेजी से या दवा के माध्यम से वजन घटने से जुड़ी सार्कोपेनिया और ओज़ेम्पिक फेस जैसी उभरती चिंताओं का भी उल्लेख किया तथा कहा कि शारीरिक प्रभाव का पूरा स्पेक्ट्रम अभी भी पूरी तरह से समझा नहीं गया है।

मंत्री के संबोधन का एक बड़ा हिस्सा गलत सूचनाओं से उत्पन्न खतरे पर केंद्रित रहा। उन्होंने चेतावनी दी कि अयोग्य चिकित्सक एवं स्वयंभू आहार विशेषज्ञ भारत के चयापचय संकट को और बदतर बना रहे हैं। उन्होंने कहा, "भारत में चुनौती जागरूकता की कमी नहीं बल्कि भ्रामक सूचनाओं का तेज़ी से बढ़ना है। प्रत्येक कॉलोनी में एक आहार विशेषज्ञ तो है लेकिन उनकी योग्यता की जांच करने की कोई व्यवस्था नहीं है। अनियंत्रित सलाह और बिना जांचे-परखे नुस्खे मोटापे से भी ज़्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं।" उन्होंने नीति निर्माताओं से ऐसे उपाय तैयार करने का आग्रह किया जो मरिजों भ्रामक हस्तक्षेपों से सुरक्षित रखें।

उन्होंने भारत में चयापचय संबंधी जटिलताओं के बढ़ते दायरे की भी बात की। उन्होंने कहा, "पहले ओपीडी में आने वाले हर तीसरे मरीज़ को मधुमेह का पता ही नहीं चलता था; आज हर तीसरे मरीज़ को फैटी लिवर है। यह दायरा बढ़ रहा है, और हमें इससे निपटने के लिए कहीं ज़्यादा वैज्ञानिक एवं विनियमित तंत्र की आवश्यकता है।"

अपने भाषण का समापन मार्क ट्वेन के अर्थशास्त्र पर प्रसिद्ध उद्धरण से तुलना करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, "मोटापा जैसा गंभीर विषय केवल एंडोक्राइनोलॉजिस्टों के लिए छोड़ने लायक नहीं है। यह एक सामाजिक समस्या है जो संस्कृति, आदतों, बाजार और गलत जानकारी से उत्पन्न होती है और इसके दायरे को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता है।"

सत्र का समापन भारत में तेजी से विकसित हो रही चयापचय स्वास्थ्य चुनौती से निपटने के लिए चिकित्सकों, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और जनता से गहन सहयोग की अपील के साथ हुआ।

नियोक्ताओं के लिए सुनहरा अवसर : ईएसआईसी SPREE-2025 के तहत 31 दिसंबर तक निःशुल्क नामांकन

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली). केंद्र सरकार ने जुलाई में स्प्री- 2025 (नियोक्ताओं और कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना) शुरू की थी। जिसका उद्देश्य ईएसआईसी में अभी तक अपंजीकृत चल रहे प्रतिष्ठानों और कर्मचारियों को बिना पूर्व देयताओं या निरीक्षण के पंजीकृत करना है। यह स्कीम नियोक्ताओं को ईएसआईसी पोर्टल और श्रम सुविधा पोर्टल के माध्यम से डिजिटल रूप से अपने प्रतिष्ठान और पात्र कर्मचारियों को पंजीकृत करने का सरल विकल्प देती है, जिसमें पूर्व अवधि के लिए निरीक्षण व बकाया योगदान की मांग नहीं की जाएगी।

अब जब से यह योजना शुरू हुई है तो संस्थान, विभिन्न कारखानों के ठेकेदार, होटल, रेस्टोरेंट, अस्पताल/नर्सिंग होम, शैक्षणिक संस्थान, राइस मिल, कोल्ड स्टोरेज, गैस एजेंसीज, पेट्रोल पंप, ईंट भट्ठा, पोल्ट्री फार्म, रेलवे के ठेकेदार एवं सभी सरकारी कार्यालयों के ठेकेदार स्वयं को तथा अपने श्रमिकों/कर्मचारियों को सीधा पंजीकरण करवा सकते हैं । पंजीकरण के साथ ही कर्मचारी का ईएसआई कार्ड बना दिया जाता है। सामाजिक सुरक्षा ढांचे को और सशक्त बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने नियोक्ताओं और कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए इस वर्ष जुलाई में योजना की शुरुआत की थी। इस योजना की अंतिम तारीख 31 दिसंबर, 2025 है। ऐसे में ईएसआईसी की ओर से जगह-जगह जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं और छोटे-बड़े उद्योगपतियों को योजना का लाभ लेने को कहा जा रहा है। बता दें कि इस समय उप क्षेत्रीय कार्यालय, करनाल में लगभग चार लाख ईएसआई कार्डधारक हैं। कार्ड बनाए जाने पर कर्मचारी के वेतन 0.75 प्रतिशत और नियोक्ता का 3.25 प्रतिशत अंशदान ईएसआईसी के खाते में जमा होता है।

हरि ओम प्रकाश
(ज्वाइंट डायरेक्टर(इंचार्ज), ईएसाईसी, सब-रिजनल अधिकारी, करनाल)

ईएसआईसी के अधिकारी मानते हैं कि इस समय उप क्षेत्रीय कार्यालय, करनाल के अधीन 07 जिलों करनाल, पानीपत, कुरुक्षेत्र, कैथल, अम्बाला, यमुना नगर एवं पंचकुला में विभिन्न संस्थानों में बहुत से ऐसे कर्मचारी हैं, जिनका मासिक वेतन 21 हजार रुपए तक है और उनका ईएसआई कार्ड नहीं बना हुआ है। ऐसे संस्थान पंजीकरण के लिए आगे आए, जो होटल, रेस्टोरेंट, अस्पताल/नर्सिंग होम, शैक्षणिक संस्थान, राइस मिल, कोल्ड स्टोरेज, गैस एजेंसीज, पेट्रोल पंप, ईंट भट्ठा, पोल्ट्री फार्म, रेलवे के ठेकेदार एवं सभी सरकारी कार्यालयों के ठेकेदार जिनके द्वारा अभी तक कर्मचारी राज्य बीमा निगम में पंजीकरण नहीं करवाया गया है।

फ्लाइट संकट के दौरान स्पेशल वंदे भारत ट्रेन का संचालन

जालंधर ब्रीज (जम्मू). उत्तर रेलवे का जम्मू मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा व सुरक्षा के लिए आपातकालीन स्थिति में विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाता हैं, वर्तमान में फ्लाइटों के बार बार रद्द होने के कारण यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए, जम्मू मंडल ने विशेष वंदे भारत ट्रेन संख्या (02439/02440)नई दिल्ली-शहीद कैप्टन तुषार महाजन - नई दिल्ली तक चलाने का निर्णय लिया गया हैं। इस ट्रेन का संचालन दिनांक 12 दिसंबर से 14 दिसंबर के बीच किया जाएगा, ताकि फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित और किफायती विकल्प मिल सके।

ट्रेन संख्या 02439 नई दिल्ली से शहीद कैप्टन तुषार महाजन (03 ट्रिप दिनांक 12.12.25 से 14.12.25), यह ट्रेन नई दिल्ली से सुबह 06 बजे रवाना होकर, दोपहर में 02 बजे शहीद कैप्टन तुषार महाजन (उधमपुर) रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। मार्ग यह ट्रेन अम्बाला कैंट, लुधियाना, पठानकोट कैंट, जम्मूतवी आदि रेलवे स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेन संख्या 02440 शहीद कैप्टन तुषार महाजन से नई दिल्ली (03 ट्रिप दिनांक 12.12.25 से 14.12.25) : यह ट्रेन शहीद कैप्टन तुषार महाजन (उधमपुर) रेलवे स्टेशन से दोपहर में 03 बजे रवाना होकर, रात में 11 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। मार्ग में यह ट्रेन जम्मूतवी, पठानकोट कैंट, लुधियाना, अम्बाला कैंट आदि रेलवे स्टेशनों पर यथावत रूकेगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उचित सिंघल ने बताया, " कि बार बार फ्लाइटों के रद्द होने के कारण इस विशेष वंदे भारत ट्रेन का संचालन किया जाएगा। जिससे की यात्री समय पर अपने गंतव्य स्थान पर पहुंच सके, और उनकी यात्रा योजनाएं बाधित न हो। उन्होंने आगे बताते हुए कहा, कि यह स्पेशल वंदे भारत 20 कोचों के साथ चलाई जाएगी। यात्रियों से अनुरोध हैं, कि अपनी यात्रा प्रारंभ करने से पहले ट्रेन की सटीक जानकारी भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या NTES से ले।

श्रमिक अधिकारों के लिए संघर्ष से लेकर राष्ट्र निर्माण हेतु अभूतपूर्व योगदान करने वाले बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर

• जालंधर ब्रीज . नई दिल्ली

आज, हम एक विराट व्यक्तित्व के स्वामी और आधुनिक मानव समाज की दिशा निर्धारित करने वाले प्रगतिशील उपायों के पुरोधा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का 70वां महापरिनिर्वाण दिवस मना रहे हैं। एक विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, दार्शनिक, समाज सुधारक और इन सबसे अधिक एक राष्ट्र-निर्माता के रूप में उनके अथक प्रयासों ने आधुनिक भारत की नींव रखी। उन्होंने केवल भारत के संविधान का मसौदा ही तैयार नहीं किया बल्कि एक ऐसे समावेशी और सशक्त राष्ट्र का खाका भी प्रस्तुत किया जहां प्रत्येक नागरिक की गरिमा की रक्षा हो और सभी को समान अवसर प्राप्त हो सके। इन मूलभूत मूल्यों से प्रेरित होकर मोदी सरकार ने जन कल्याण और सुशासन को बढ़ावा देने वाली कई पहलें की हैं। 27 नवंबर, 2025 को पेरिस स्थित यूनेस्को (UNESCO) मुख्यालय में भारत के संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर संपूर्ण विश्व डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की आवक्ष प्रतिमा के अनावरण का साक्षी बना। विश्व के गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष यह प्रतिमा न केवल भारत के एक नेता के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में बल्कि न्याय के एक सार्वभौमिक प्रतीक के रूप में खड़ी है। पट्टिका पर "भारत के संविधान का शिल्पकार" लिखा है, फिर भी ये शब्द उस व्यक्ति की विरासत का पूरी तरह से उल्लेख नहीं कर सकते, जिसने न केवल भारत के संविधान का मसौदा तैयार किया, बल्कि एक पूरे राष्ट्र को समग्रतः आकार देने में मदद की।

अपने पूरे जीवनकाल में, बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर ने श्रमिकों के अधिकार और उनके कल्याण की वकालत करते हुए न्याय के लिए संघर्ष किया। गोलमेज सम्मेलन (Round Table Conference) में दलित वर्गों (Depressed Classes) के प्रतिनिधि के रूप में उन्होंने जीवन निर्वाह मजदूरी, काम करने की उचित स्थिति, दमनकारी जमींदारों से किसानों की मुक्ति और दबे-कुचले लोगों को प्रभावित करने वाली सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन की पुरजोर वकालत की। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से श्रमिकों और दलितों की पीड़ा को देखा था। बंबई में, वह बंबई डेवलपमेंट डिपार्टमेंट की एक कमरे वाली चॉल (tenements) में मिल मजदूरों के साथ 10 साल से अधिक समय तक रहे, जहाँ कोई आधुनिक सुविधाएँ नहीं थीं और प्रत्येक मंजिल पर सभी उद्देश्यों के लिए केवल एक शौचालय और एक नल था। इन परिस्थितियों ने उन्हें श्रमिकों के जीवन को काफी नजदीक से समझने का अवसर दिया। उन्होंने आम जनता को एकजुट किया और 1936 में भूमिहीन लोगों, गरीब काश्तकारों, कृषकों और श्रमिकों के कल्याण हेतु एक व्यापक कार्यक्रम के साथ इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी (ILP) की स्थापना की। 17 सितंबर, 1937 को बंबई विधानसभा के पुणे सत्र के दौरान, उन्होंने कोंकण में 'खोती' भूमि कार्यकाल प्रणाली को समाप्त करने के लिए एक विधेयक पेश किया। 1938 में, उन्होंने बंबई में काउंसिल हॉल तक किसानों के मार्च का नेतृत्व किया और किसानों, श्रमिकों और भूमिहीनों के लोकप्रिय नेता बन गए। वह कृषि काश्तकारों की दासता (बंधुआ मजदूरी) को समाप्त करने के लिए विधेयक पेश करने वाले पहले भारतीय विधायक थे। उन्होंने औद्योगिक विवाद विधेयक (Industrial Disputes Bill), 1937 का भी कड़ा विरोध किया क्योंकि इसमें श्रमिकों के हड़ताल करने के अधिकार में कटौती की गई थी।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अनिश्चित वैश्विक व्यवस्था के दौर में डॉ. अंबेडकर ने वायसराय की कार्यकारी परिषद के श्रम सदस्य के रूप में भारत में मजदूरों के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद अर्थव्यवस्था में सुधार होने और उद्योगों का विस्तार होने पर उद्यमियों को समृद्धि के अवसर मिले, लेकिन श्रमिकों को उनका उचित हिस्सा नहीं दिया गया। उस समय डॉ. अंबेडकर ने श्रमिकों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण उपाय पेश किए, जिससे सरकार की श्रम नीति की नींव पड़ी। उन्होंने श्रमिकों से जुड़े जटिल मुद्दों का बहुत दक्षता के साथ समाधान निकाला जिससे उन्हें कर्मचारियों व नियोक्ताओं दोनों से सम्मान प्राप्त हुआ।

वर्ष 1943 में बंबई से आकाशवाणी से किए गए अपने संबोधन में डॉ. अंबेडकर ने श्रमिकों

अर्जुन राम मेघवाल
(केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री)

के लिए स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित "जीवन की उचित स्थिति" सुरक्षित करने का आग्रह किया। उनके प्रयासों से श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने में मदद मिली। उन्होंने प्रमुख श्रम कानूनों के माध्यम से श्रमिकों के कल्याण हेतु अहम योगदान किया जिसमें युद्ध चोट (मुआवजा बीमा) विधेयक, असुरक्षित निरीक्षणों के कारण मिलों में होने वाली मृत्यु पर रोक लगाने से संबंधित बॉयलर (संशोधन) विधेयक 1943, भारतीय खान और ट्रेड यूनियन संशोधन विधेयक, खनिक मातृत्व लाभ संशोधन विधेयक, कोयला खान सुरक्षा (स्टोविंग) संशोधन विधेयक और कामगार मुआवजा संशोधन विधेयक शामिल हैं। 9 दिसंबर 1943 को, डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने धनबाद कोयला खदानों का दौरा किया और खदानों के संचालन व श्रम स्थितियों का निरीक्षण करने के लिए जमीन से 400 फीट नीचे गए। इसके परिणामस्वरूप जनवरी 1944 का कोयला खान श्रम कल्याण अध्यादेश (Coal Mine Labour Welfare Ordinance) आया, जिससे श्रमिकों के कल्याण के लिए एक कोष बनाया गया। उन्होंने कोयले की खानों से निकाले गए कोयले पर कर को दोगुना करके इस कोष को मजबूत किया, जिससे खनिकों के लिए बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित हुए। 8 नवंबर 1943 को, उन्होंने भारतीय ट्रेड यूनियन (संशोधन) विधेयक भी पेश किया, जिसमें नियोक्ताओं के लिए ट्रेड यूनियनों को मान्यता देना अनिवार्य कर दिया गया। 8 फरवरी 1944 को कोयला खदानों में महिलाओं के जमीन के भीतर काम पर से प्रतिबंध हटाने के विषय पर विधानसभा में बहस के दौरान डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने कहा, "मुझे लगता है कि यह पहली बार है कि किसी भी उद्योग में लैंगिक आधार पर भेदभाव के बिना समान काम के लिए समान वेतन का सिद्धांत स्थापित किया गया है।" यह देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था। माइन्स मैटरनिटी बेनिफिट (संशोधन) बिल 1943 के माध्यम से उन्होंने मातृत्व लाभ को मजबूत किया और उन्हें अनुपस्थिति के कारण आर्थिक दंड से बचाने का प्रावधान किया।

वर्ष 1945 में उन्होंने अधिनियम में और संशोधन किए ताकि महिलाओं को प्रसव से दस सप्ताह पहले जमीन के भीतर कार्य करने से बचाया सके और उनके लिए प्रसव से दस सप्ताह पहले और चार सप्ताह बाद कुल मिलाकर चौदह सप्ताह का मातृत्व अवकाश सुनिश्चित किया जा सके। 26 नवंबर 1945 को नई दिल्ली में भारतीय श्रमिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उन्होंने श्रमिकों के प्रति सरकार के दायित्वों की समीक्षा की और श्रमिकों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के श्रम कानूनों की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। प्रगतिशील श्रम कल्याण कानून की आवश्यकता पर बल देते हुए, उन्होंने कहा:- " कोई यह कह सकता है कि अंग्रेजों को श्रम कानून की एक उचित संहिता बनाने में 100 साल लग गए, किंतु यह कोई तर्क नहीं है कि हमें भी भारत में 100 साल लगने चाहिए।

पंजाब में 'आप' ने खत्म किया 'पर्चा कल्चर' : बलतेज पन्नू

साफ-सुथरा शासन और मजबूत विकास ही 'आप' की प्राथमिकता

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के महासचिव और मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू ने आज जिला परिषद और ब्लॉक समिति चुनावों से पहले विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करते हुए लोगों से 'आप' को वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'आप' सिर्फ कड़ी मेहनत, ईमानदार शासन और भगवंत मान सरकार द्वारा किए गए बेमिसाल विकास के आधार पर वोट मांग रही है। पन्नू ने कहा कि पार्टी के सभी विंग और हर नेता गांवों और ब्लॉकों में सक्रियता से प्रचार कर रहे हैं और जनता की प्रतिक्रिया बेहद सकारात्मक रही है। 'आप' सरकार की उपलब्धियों को उजागर करते हुए पन्नू ने कहा कि 600 यूनिट मुफ्त बिजली लगातार जारी है, जिससे परिवारों को बड़ी वित्तीय राहत मिल रही है। पंजाब के स्कूली ढांचे में बदलाव आया है, जिससे सरकारी शिक्षा में गर्व और गुणवत्ता वापस आई है। प्रदेश में जगह-जगह मोहल्ला क्लीनिक खुल चुके हैं, जहां मुफ्त दवाइयां और टेस्ट होते हैं। सरकार ने 13 टोल प्लाजा बंद कर दिए हैं, ऐसा कभी किसी अन्य राज्य में नहीं हुआ। पन्नू ने कहा कि पंजाब की नवगठित सड़क सुरक्षा फोर्स (SSF) ने सड़क हादसों में होने वाली मौतों को लगभग 50% तक घटा दिया है, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। नशे के मुद्दे पर पन्नू ने कहा कि हालांकि

नशीले पदार्थों की तस्करी एक वैश्विक समस्या है, पंजाब ही एकमात्र ऐसा राज्य है जो इतनी तेजी और योजनाबद्ध तरीके से इससे लड़ रहा है। किसी अन्य सरकार ने तस्करों के खिलाफ इतनी निर्णायक कार्रवाई नहीं की है।

मान सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक का जिक्र करते हुए पन्नू ने कहा कि हमारी सरकार ने पंजाब के 60,000 नौजवानों को सरकारी नौकरियां दी हैं। एक भी नौकरी को अदालत में चुनौती नहीं दी गई। इसमें कोई सिफारिश, कोई रिश्वत और कोई राजनीतिक दबाव शामिल नहीं था। उन्होंने इसकी तुलना पिछली सरकारों से करते हुए कहा कि पहले चुनावों से पहले नौकरियों का ऐलान होता था, फिर भ्रष्टाचार के कारण वे अदालतों में फंस जाती थीं। आज हर नौकरी इज्जत से कमाई जाती है। पन्नू ने कहा कि मुख्यमंत्री अभी जापान और दक्षिण कोरिया से लौटे हैं, जहां वैश्विक कंपनियों से हुई बातचीत से पंजाब में नए निवेश और ताजा औद्योगिक विकास आने की उम्मीद है। इससे उद्योग को नई गति मिलेगी और पंजाब के नौजवानों को नए अवसर मिलेंगे।

बलतेज पन्नू ने कहा कि 'आप' ने पंजाब से दशकों पुराने 'पर्चा कल्चर' को खत्म कर दिया है। पारंपरिक पार्टियों के नेता विरोधी पार्टी के लोगों पर झूठे मुकदमे दर्ज करवाकर उन्हें डराते-धमकाते थे और गांवों का माहौल खराब करते थे। लेकिन जब से मान सरकार सत्ता में आई है, हमने कोई झूठे पर्चे नहीं करवाए, न ही किसी को धमकाया। पिछली सरकारें FIR को हथियार की तरह इस्तेमाल करती थीं, हमने इसे खत्म करके गांवों में शांति बहाल की है। तोती सरपंच और सिकंदर सिंह मलूका जैसों को लोग भूले नहीं हैं। 'आप' सरकार ने गुंडाराज खत्म किया है। हमने अपने विरोधियों के खिलाफ झूठे केस दर्ज नहीं किए हैं। पन्नू ने आगे कहा कि गांवों में इस समय 3,100 स्टेडियम बनाए जा रहे हैं।

मोहिंदर भगत ने 1.26 करोड़ की चार जेट सक्शन मशीनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

शहर की संकरी गलियों में सीवरेज जाम होने की समस्या से मिलेगी बड़ी राहत

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब के रक्षा सेवाएं कल्याण, स्वतंत्रता सेनानी एवं बागवानी मंत्री महिंदर भगत ने आज शहर की संकरी गलियों में सीवरेज जाम होने की समस्या से तुरंत निजात दिलाने के लिए 1.26 करोड़ रुपये की लागत से खरीदी गई चार नई जेट सक्शन मशीनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर लोगों से रू-ब-रू होते हुए कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि आज बहुत खुशी का दिन है कि जालंधर शहरवासियों की सुविधा के लिए तंग गलियों में जहां कहीं भी सीवरेज जाम की समस्या आएगी, उसे तुरंत और प्रभावी ढंग से हल करने के लिए चार छोटी नई जेट मशीनें तैनात की जा रही है। उन्होंने बताया कि पहले संकरी गलियों में बड़ी सुपर सक्शन मशीनों को ले जाने में काफी दिक्कतें आती थी, लेकिन अब इन छोटी मशीनों की मदद से शहर में सीवरेज जाम की समस्या का तुरंत और प्रभावशाली तरीके से निपटारा किया जा सकेगा।

कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री पंजाब श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार लोगों को हर संभव राहत पहुंचाने के लिए दिन-रात गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान पंजाब सरकार द्वारा जालंधर शहर के सर्वांगीण विकास और इसे और सुंदर बनाने के लिए अनेक पहलकदमियां शुरू की गई है। शहर को सुंदर बनाने के लिए विभिन्न चौराहों का सौंदर्यीकरण करके लोगों को समर्पित किया जा रहा है, जिससे शहर को बहुत ही आकर्षक स्वरूप मिल रहा है। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि शहर को साफ-सुथरा रखना हम सब का नैतिक दायित्व है और इसमें अपना योगदान जरूर दें। इस मौके पर बोलते हुए मेयर वनीत धीर ने कहा कि शहरवासियों को हर प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए नगर निगम द्वारा अथक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चार छोटी जेट सक्शन मशीनों के अलावा जहां कहीं भी सीवरेज जाम की समस्या आएगी, वहां बड़ी सुपर सक्शन मशीनें भी तैनात है। शहर में सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इस मौके पर कमिश्नर संदीप रिशी, जिला योजना समिति चेयरमैन अमृतपाल सिंह, पंजाब मुस्लिम वेलफेयर एंड डेवलपमेंट बोर्ड चेयरमैन अब्दुल बारी सलमानी, डिप्टी मेयर मलकीत सिंह, सीनियर आप नेता दिनेश ढल्ल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जिला परिषद एवं ब्लॉक समिति चुनाव

शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनावों के लिए पुख्ता प्रबंध, जिले भर में 661 पोलिंग बूथ स्थापित

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

जिला चुनाव अधिकारी- कम-डिप्टी कमिश्नर कपूरथला अमित कुमार पंचाल ने गुरुवार को जिला परिषद एवं ब्लॉक समिति चुनावों के प्रबंधों की समीक्षा की। उनके साथ एसएसपी गौरव तूरा भी मौजूद थे। जिला चुनाव अधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा चुनावों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं निर्विघ्न रूप से करवाने के लिए समस्त प्रबंध सुनिश्चित कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिला परिषद एवं ब्लॉक समिति चुनावों के लिए जिले भर में 661 पोलिंग बूथ स्थापित किए गए है। विभिन्न स्थानों पर पोलिंग पार्टियों की ट्रेनिंग भी पूरी कर ली गई है। पोलिंग पार्टियों की आवाजाही तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है।

उन्होंने बताया कि 14 दिसंबर को सुबह 08:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक बैलट पेपर के माध्यम से कपूरथला जिले में जिला परिषद के 10 जोन तथा 5 ब्लॉक समितियों के 88 जोनों की चुनाव करवाए जाएंगे तथा डाले गए वोटों की गिनती दिनांक 17.12.2025 (बुधवार) को स्थापित गिनती केंद्रों पर होगी।

इस मौके पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ज.) नवनीत कौर बल्ल, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ग्रामीण विकास) वरिंदरपाल सिंह बाजवा, एस.पी. गुरप्रीत सिंह तथा एस.पी. फगवाड़ा माधवी शर्मा तथा समस्त रिटर्निंग अधिकारी एवं डी.एस.पी. उपस्थित थे।

ट्रैवल एजेंसी का लाइसेंस सरेंडर करने का आवेदन मंजूर

जालंधर (जालंधर ब्रीज). अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट - कम-अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) श्रीमती अमनिंदर कौर द्वारा पंजाब ट्रैवल प्रोफेशनल रेगुलेशन एक्ट-2012 की धारा 6(1) के प्रावधानों के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए परविंदर सिंह की फर्म मैसर्स ऑक्सफोर्ड एकेडमी की लाइसेंस सरेंडर करने की अर्जी को मंजूर करते हुए इस फर्म का लाइसेंस रद्द/कैंसिल कर दिया गया है।

आदेश में कहा गया है कि आवेदक द्वारा आवेदन के माध्यम से अनुरोध किया गया था कि वह अपनी फर्म नहीं चलाना चाहता और फर्म का लाइसेंस नंबर 638/ए.एल.सी.-4/एल.ए./एफ.एन.877 सरेंडर करना चाहता है। इस आवेदन पर एक्ट के अनुसार कार्रवाई करते हुए संबंधित विभागों से आवश्यक रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर द्वारा लाइसेंस सरेंडर करने की अर्जी स्वीकार करते हुए उक्त लाइसेंस को रद्द/कैंसिल करने के आदेश जारी किए गए है।

'100 स्टार्टअप्स 100 दिन' की प्री-समिट कार्यक्रम के रूप में घोषणा

रोपड़ (जालंधर ब्रीज). भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ "100 स्टार्टअप्स 100 दिन" की शुरुआत कर रहा है, जो एक राष्ट्रीय गहन-प्रौद्योगिकी (डीप-टेक) त्वरण पहल है और जिसे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के तहत प्री-समिट कार्यक्रम के रूप में आधिकारिक मान्यता प्राप्त है। यह कार्यक्रम 16 दिसंबर को आईआईटी रोपड़ परिसर में आयोजित किया जाएगा, जो प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप्स को गहन मार्गदर्शन, प्रौद्योगिकी पहुंच और नवाचार समर्थन के लिए एक साथ लाएगा।

"100 स्टार्टअप्स 100 दिन" पहल का शुभारंभ श्रीकांत एम. वैद्य, पूर्व अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (मुख्य अतिथि); आदिल जैनुलभाई, अध्यक्ष, क्षमता निर्माण आयोग और बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईटी रोपड़; और प्रो. राजीव अहूजा, निदेशक, आईआईटी रोपड़ द्वारा किया गया।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026, जिसकी घोषणा माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा फ्रांस एआई एक्शन समिट में की गई थी, 19-20 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला यह पहला वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शिखर सम्मेलन है, और यह डिजिटल परिवर्तन और जिम्मेदार एआई नवाचार में भारत के नेतृत्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। "100 स्टार्टअप्स 100 दिन" को प्री-समिट कार्यक्रम के रूप में आयोजित करके, आईआईटी रोपड़ गहन-प्रौद्योगिकी नवाचार पाइपलाइन को मजबूत कर रहा है। यह पहल आईहब AWaDH (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित एक प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र), अन्नम.ai (शिक्षा मंत्रालय द्वारा समर्थित कृषि के लिए एआई उत्कृष्टता केंद्र), और आईआईटी रोपड़ प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर फाउंडेशन (टीबीआईएफ) द्वारा संचालित है। इसे प्रमुख भागीदारों का समर्थन प्राप्त है, जिनमें भारत में इजरायल दूतावास, रीचमैन यूनिवर्सिटी, रनवे इनक्यूबेटर यूपीईएस (उत्तराखंड), कंप्यूटर और संचार प्रौद्योगिकी केंद्र (सिक्किम), एसीआईसी जीआईईटी यूनिवर्सिटी फाउंडेशन (ओडिशा), कृष्णा विश्व विद्यालय (महाराष्ट्र), आईआईटी तिरुपति नवाचार आई-हब फाउंडेशन, एचडीएफसी बैंक और केनरा बैंक शामिल हैं।

लोगों को बेहतर और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना प्रशिक्षण सत्र का मुख्य उद्देश्य : सिविल सर्जन

जालंधर (जालंधर ब्रीज). सिविल सर्जन डॉ. राजेश गर्ग की अगुवाई में गुरुवार को सी.एच.ओज़ के लिए एक विशेष प्रशिक्षण सत्र रखा गया। इस दौरान हेपाटाइटिस-बी और सी, एचआईवी-सिफ़लिस, एनीमिया, मलेरिया और नमक में आयोडीन की मात्रा जांचने वाली डायग्नोस्टिक किटों के सही उपयोग के बारे में सिखाया गया। ट्रेनिंग की शुरुआत करते हुए डॉ. राजेश गर्ग ने आधुनिक स्क्रीनिंग तरीकों, सैंपल की सही हैंडलिंग, डायग्नोस्टिक किटों के उपयोग और टेस्ट करने की मानक प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समय पर बीमारी की पहचान होने से इलाज जल्दी शुरू किया जा सकता है, जिससे रोगों के फैलाव पर नियंत्रण पाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि लोगों को बेहतर और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएँ देना ही प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है और यह जन स्वास्थ्य प्रणाली को मज़बूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने कहा कि आगे भी इस तरह की क्षमता-वृद्धि वाली ट्रेनिंग जारी रहेंगी ताकि लोगों को ज़मीनी स्तर पर ही अच्छी स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें।

जिला परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. रमन गुप्ता ने डायग्नोस्टिक किटों की देखभाल और बायो-सेफ्टी प्रोटोकॉल के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से आयुष्मान आरोग्य केंद्रों पर स्वास्थ्य सेवाएँ और बेहतर तरीके से प्रदान की जा सकेंगी तथा सी.एच.ओज़ की क्षमता में वृद्धि होगी।

पैथोलॉजिस्ट डॉ. विवेक और आर.बी.एस.के. कोऑर्डिनेटर परमवीर झम्मट ने भी प्रशिक्षण के दौरान सी.एच.ओज़ को डायग्नोस्टिक किटों के उपयोग और उनकी देखभाल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

अकाली दल ने हमेशा क्षेत्र की असली ज़रूरतों को समझकर काम किया : झिंझर

• **जालंधर ब्रीज.** पटियाला

शिरोमणि अकाली दल घनौर हलका इंचार्ज सरदार सरबजीत सिंह झिंझर और चुनाव इंचार्ज जथेदार जसमेर सिंह लाछड़ू ने आगामी ज़िला परिषद और ब्लॉक समिति चुनावों के संबंध में विभिन्न गाँवों में जन-मिलन कार्यक्रम आयोजित किए। इस दौरान उन्होंने कबूलपुर, सलेमपुर सेखा, खैरपुर नरड़ू, बठोनिया आदि गाँवों का दौरा किया और स्थानीय निवासियों के साथ चुनावी मुद्दों पर चर्चा की। इन बैठकों के दौरान ग्रामीणों ने नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया और अपनी स्थानीय समस्याएँ, विकास कार्यों की ज़रूरतें और चुनाव संबंधी सुझाव साझा किए। गाँवों के बुज़ुर्गों, किसानों, महिलाओं और युवाओं ने विशेष रूप से यह बात रखी कि झूठे वादों के सहारे सत्ता में आई आम आदमी पार्टी की सरकार ने क्षेत्र के मुद्दों को पूरी तरह नज़रअंदाज़ किया है, जिसके कारण हर वर्ग में निराशा का माहौल है। लोगों ने कहा कि शिरोमणि अकाली दल ही वह पार्टी है जिसने हमेशा गाँवों की आवाज़ को तरजीह दी और ज़मीनी स्तर पर काम करते हुए क्षेत्र का मान बढ़ाया।

'पासपोर्ट अदालत' 17 दिसंबर को

जालंधर (जालंधर ब्रीज). क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी यश पाल ने बताया कि क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, एस.सी.ओ. नंबर 42-51, पॉकेट-1, बस स्टैंड के पास, जालंधर में 17 दिसंबर 2025 को पासपोर्ट कार्यालय द्वारा सभी श्रेणियों के आवेदकों की लंबित पासपोर्ट संबंधी आवेदनों के निपटारे के लिए 'पासपोर्ट अदालत' लगाई जा रही है। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी ने बताया कि 31 अक्तूबर 2025 या इससे पहले,, पासपोर्ट के लिए आवेदन जमा करवाने वाले सभी श्रेणियों के उन आवेदकों, जिनके आवेदन किसी कारणवश लंबित रह गए है, उनके निपटारे के लिए यह पासपोर्ट अदालत आयोजित की जा रही है। उन्होंने 31 अक्तूबर या इससे पहले आवेदन करने वाले सभी आवेदकों से अपील की है कि वे 17 दिसंबर 2025 को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक जरूरी दस्तावेज़ों के साथ पासपोर्ट कार्यालय में उपस्थित होकर अपने लंबित आवेदनों का निपटारा करवा लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि विदेश मंत्रालय ने किसी भी संस्था या बिचौलिए को अधिकृत नहीं किया है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे अपना पासपोर्ट केवल विदेश मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट www.passportindia.gov.in के माध्यम से ही आवेदन करें।

'वीर बाल दिवस' का नाम 'साहिबजादे शहीदी दिवस' रखने की अपील

कंग ने केंद्र सरकार को पत्र लिखने के बाद फिर से लोकसभा में उठाया मामला

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली/चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद मलविंदर सिंह कंग ने लोकसभा में केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 'वीर बाल दिवस' का नाम बदलकर 'साहिबजादे शहीदी दिवस' रखकर सिख भावनाओं का सम्मान करने की अपील की है। सदन को संबोधित करते हुए कंग ने कहा कि 15 दिसंबर से शुरू होने वाला लगभग दस दिनों का समय सिख इतिहास के सबसे पवित्र और दुखद दौर में से एक है, जब चारों साहिबजादे और माता गुजरी जी शहीद हुए थे। उन्होंने 2022 में भारत सरकार द्वारा छोटे साहिबजादों - बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी, जिनकी उम्र क्रमशः 9 और 7 साल थी - की शहादत की याद में इस दिन को 'वीर बाल दिवस' घोषित करने के फैसले की सराहना की और धन्यवाद दिया।

कंग ने जोर देकर कहा कि इस्तेमाल की गई शब्दावली सिख धार्मिक परंपरा और भावनाओं के अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा, "हमारे धर्म में साहिबजादों को 'बाल' (बच्चे) नहीं माना जाता। उन्हें बाबा के रूप में पूजा जाता है, जो हिम्मत, कुर्बानी और दिव्य भावना के प्रतीक हैं।" कंग ने सरकार से सिख आस्थाओं और सदियों पुरानी धार्मिक मर्यादा का सम्मान करते हुए नामकरण में संशोधन करने का अनुरोध किया।

'आप' का सुखबीर पर पलटवार : मजीठा में धक्केशाही' के सबूत दें पार्टी प्रधान

मजीठा/चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). आम आदमी पार्टी (आप) के नेता तलबीर सिंह गिल ने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल द्वारा इस्तेमाल की गई गलत शब्दावली और आधारहीन आरोपों पर तीखा पलटवार किया है। गिल ने बादल और विधायक गनीव कौर को चुनौती देते हुए पूछा कि वे सबूत दें कि मजीठा हलके में किसके साथ और कैसी धक्केशाही हुई है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गिल ने स्पष्ट किया कि अकाली दल के किसी भी उम्मीदवार, चाहे वह ज़िला परिषद का हो या ब्लॉक समिति का, किसी का भी पर्चा रद्द नहीं हुआ है। सबका नामांकन शांतिपूर्वक हुआ है। सच्चाई यह है कि अकाली दल को मजीठा में उम्मीदवार ही नहीं मिल रहे हैं। सुखबीर बादल को बताना चाहिए कि क्या चमुंडा देवी सर्कल जैसे कई क्षेत्रों में उनके पास उम्मीदवार हैं?

उन्होंने आरोप लगाया कि अकाली दल अपने ही अंतर्कलह का शिकार है, इसलिए उसे मजबूरी में शिरोमणि कमेटी के कर्मचारियों को चुनाव मैदान में उतारना पड़ रहा है। गिल ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, धड़डे ज़ोन से अकाली दल को कोई उम्मीदवार नहीं मिला, इसलिए एसजीपीसी के कर्मचारी स्वरूप सिंह को चुनाव लड़ाया जा रहा है। वहीं, पोमा ज़ोन में ऐसजीपीसी के एक अन्य मुलाज़िम को 'नौकरी से निकालने की धमकी' देकर ज़बरदस्ती चुनाव लड़ाया जा रहा है।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को हराया

51 रन से दी मात, पांच मैचों की सीरीज में 1-1 से की बराबरी

फोटो- बीसीसीआई

स्पोर्ट्स डेस्क. क्विंटन डिकॉक के बाद ओटेनिल बार्टमैन की शानदार गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने भारत को दूसरे टी20 मैच में 51 रन से हराया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। दक्षिण अफ्रीका ने डिकॉक के शानदार अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 213 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 19.1 ओवर में 162 रन पर ऑलआउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने इस तरह पांच मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही और टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। शुभमन गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव का बल्ला एक बार फिर खामोश रहा। गिल तो खाता भी नहीं खोल सके। वहीं, अभिषेक शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह जल्द ही विकेट गंवा बैठे। भारत के लिए सिर्फ तिलक वर्मा ने अच्छी बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया। तिलक आखिरी बल्लेबाज के तौर पर आउट हुए। भारत की ओर से तिलक वर्मा ने 34 गेंदों पर दो चौकों और पांच छक्कों की मदद से 62 रन बनाए। वहीं, जितेश शर्मा ने 27, अक्षर पटेल ने 21, हार्दिक पांड्या ने 20 और अभिषेक शर्मा ने 17 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए ओटेनिल बार्टमैन ने चार विकेट झटके, जबकि लुंगी एनगिडी, मार्को यानसेन और लुथो सिपाम्ला को दो-दो विकेट मिले।

सिंथेटिक डोर बनाने, बेचने, स्टोर करने और खरीदने पर पूर्ण प्रतिबंध

होशियारपुर (जालंधर ब्रीज). जिला मजिस्ट्रेट-कम-डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला होशियारपुर की सीमाओं के अंदर पतंग उड़ाने के लिए नायलॉन, सिंथेटिक प्लास्टिक की बनी डोर (चाइनीज/मांझा) को बनाने, बेचने, स्टोर करने, खरीदने तथा सप्लाई करने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध साधारण सूती धागे वाली डोर पर लागू नहीं होगा। यह आदेश 9 फरवरी 2026 तक प्रभावी रहेगा। जिला मजिस्ट्रेट ने जारी आदेशों में कहा है कि पतंगबाजी के लिए इस्तेमाल हो रही डोर सूती धागे के अलावा सिंथेटिक प्लास्टिक की बनी होती है जो बहुत मजबूत, न गलने वाली और न टूटने वाली होती है। यह डोर पतंग उड़ाते समय लोगों के हाथ और उंगलियां काट देती है। इससे दुपहिया वाहन चालकों का गला, कान आदि कटने, उड़ते पक्षियों का फंसकर मर जाने की काफी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इसके अलावा फंसे पक्षियों की मौत के बाद पेड़ों पर लटकने से बदबू फैलती है और वातावरण दूषित होता है। इस तरह सिंथेटिक/प्लास्टिक की बनी यह डोर जब पतंग उड़ाने में इस्तेमाल की जाती है तो यह मनुष्यों और पक्षियों दोनों के लिए जानलेवा साबित होती है। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए चाइनीज/सिंथेटिक मांझे को स्टोर करने, बेचने और खरीदने पर रोक लगाने के लिए यह कदम उठाना अत्यंत आवश्यक था।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, Near Subhanpur Bus Stand,Hamira, Kapurthala-144802(Punjab) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.